

22 March 2018 - Press Release – World Water Day - Integral University

Integral University organized a special event to celebrate WATER on the World Water Day today. Department of Civil Engineering at the University invited distinguished guests, researchers, Scientists and government heads to talk about this year's theme, 'Nature for Water' and help find ways to overcome the water challenges of the 21st century, focusing on Nature based Solution to save WATER. The day is celebrated world over to focus on the importance of water and need to preserve it.

The Chief Guest Shri G. Pattanaik [IAS], Chairman, Uttar Pradesh Jal Nigam initiated by saying we did not understand that water is our asset. He further elaborated that 96.26% of volume of water on the earth is not available for human consumption. Regarding decreasing water level he gave the example of Noida city. He further added that 19th century boasts of industrial revolution but we could not manage the model of development. He gave example of Israel that 70% is desert but Israel creates water by recycling 90% of waste water. He concluded that changing lifestyle of people even in villages lead to the environmental imbalance.

"When we neglect our ecosystems, we make it harder to provide everyone with the water we need to survive and thrive. Environmental damage, along with climate change, is driving the water-related crises we see around the world. Floods, drought and water pollution are all made worse by degraded vegetation, soil, rivers and lakes" said Prof. Syed Aqeel Ahmad, Head, Department of Civil Engineering. He emphasized the fact that water is the prime element for life on earth quoting Dr. A.P.J Abul Kalam, he said World War III will be on water. Water level is going down as it is being extracted beyond capacity an alarming situation.

Distinguished Guest, Prof. Jamal Nusrat, stressed about decreasing ratio of Water availability and water demand. He focused about the help that nature has been offering for many centuries. He correlated the word **BHAGWAN** with the five elements of nature *i.e.* BH as bhoomi, G as gagan, W as vayu, A as Agni and N as neer. He quoted various references from religious text to highlight the importance of water in nature cycle and ecosystem and their inter-conversion. He further quoted, Former U.S President, John. F. Kennedy "***The best scientist is the one who can desalinate the sea water***". He concluded that sun is the ultimate source of energy and we should adopt means to harness that solar energy.

Presiding over the Function, Chancellor Prof S.W. Akhtar expressed the need to understand the Water Cycle and ways to restore it. He suggested various means of water conservation and management such as interlinking of rivers and groundwater recharge. "He cited specific example of BASRA city, Iraq that city is so well planned that water level cannot go down. Since the streams are link to sea and as sea water moves it loses its salinity. Similar types of water management programmes need to be implemented in our country also. He concluded that Water Day should not be celebrated just like a day but should be taken as a message and pledges to take care of our water resources.*Prof Akhtar who has always emphasized on natural ways to restore environment.* The Integral Campus is spread over an area of more than 120 acres, with a prime focus on a dense green cover. It's the first lesson that the student gets to coexist and study in the lap of nature.

22 मार्च 2018 - प्रेस विज्ञप्ति - विश्व जल दिवस - इंटीग्रल विश्वविद्यालय

आज विश्व जल दिवस मनाने के लिए इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने इस कार्यक्रम के विषय 'जल के लिए प्रकृति' के बारे में बात करने के लिए प्रतिष्ठित अतिथि, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और सरकारी प्रमुखों को आमंत्रित किया और 21 वीं सदी की जल चुनौतियों से मुकाबला करने के तरीके खोजने में मदद की। प्रकृति आधारित समाधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जल दिवस को दुनिया भर में मनाया जाता है ताकि पानी के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया जा सके और इसे संरक्षित करने की आवश्यकता को बताया जा सके।

मुख्य अतिथि श्री जी पटनायक (आईएस), अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश जल निगम ने कहा कि हमने यह नहीं समझा कि पानी हमारी संपत्ति है। उन्होंने आगे बताया कि धरती पर पानी का 96.26% मात्रा मानव उपभोग के लिए उपलब्ध नहीं है। जल स्तर में गिरावट के बारे में उन्होंने नोएडा शहर का उदाहरण दिया उन्होंने आगे कहा कि 19 वीं सदी औद्योगिक क्रांति का दावा करती है लेकिन हम विकास के मॉडल का प्रबंधन नहीं कर सकते। उन्होंने इज़राइल का उदाहरण दिया कि 70% रेगिस्तान है लेकिन इज़राइल अपशिष्ट जल के 90% रीसाइक्लिंग द्वारा पानी बनाता है। उन्होंने अन्त में कहा कि गांवों में भी लोगों की जीवन शैली को बदलने से भी पर्यावरण असंतुलित हो रहा है।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख सय्यद अक़ील अहमद ने कहा "जब हम अपने पारिस्थितिकी तंत्र की अनदेखी करते हैं, तो हम सभी के लिए पानी हासिल करने के लिए कठिन बनाते हैं जो कि हमारे जीवित रहने और उत्थान के लिए आवश्यक होता है। पर्यावरण के नुकसान, जलवायु परिवर्तन के साथ, हम पानी से संबंधित संकट को दुनिया भर में देख रहे हैं। बाढ़, सूखा और जल प्रदूषण से वनस्पति, मिट्टी, नदियां और झीलें बदतर हो गए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पृथ्वी पर जीवन के लिए पानी एक मुख्य तत्व है। डॉ॰ एपीजे अब्दुल कलाम का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि तृतीय विश्व युद्ध पानी पर होगा। उन्होंने जल स्तर के लगातार कम होने का कारण जल को क्षमता से परे खतरनाक स्थिति में निकालने को बताया।

प्रतिष्ठित अतिथि, प्रो॰ जमाल नुसरत, पानी की उपलब्धता और पानी की मांग के घटते अनुपात पर जोर दिया। उन्होंने कई सदियों से प्रकृति की पेशकश की गई सहायता के बारे में ध्यान दिया उन्होंने भगवान को प्रकृति के पांच तत्वों जैसे बी एच के रूप में भूमि, जी के रूप में गगन, डब्ल्यू के रूप में वायु, ए के रूप में अग्नि और एन के रूप में नीर के रूप में सहसंबद्ध कराया। उन्होंने प्रकृति चक्र और पारिस्थितिकी तंत्र में पानी के महत्व को उजागर करने के लिए धार्मिक पाठ से विभिन्न संदर्भों को उद्धृत किया। उन्होंने पूर्व यू.एस. अध्यक्ष, जॉन एफ॰ केनेडी के कथन "सबसे अच्छा वैज्ञानिक वह है जो समुद्र के पानी को डिसेलिनेट कर सकता हो"। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सूर्य ऊर्जा का अंतिम स्रोत है और हमें सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करने के लिए साधन अपनाना चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता में, चांसलर प्रो॰ एस.डब्ल्यू॰ अख्तर ने पानी चक्र की आवश्यकता को समझने और उसको बहाल करने पर अपने विचारों को प्रस्तुत किया। उन्होंने पानी के संरक्षण और प्रबंधन के विभिन्न साधनों का सुझाव दिया जैसे कि नदियों और भूजल पुनर्भरण को आपस में जोड़ना। उन्होंने इराक के बासरा शहर का विशिष्ट उदाहरण का हवाला देते हुए बताया कि शहर सुव्यवस्थित है कि वहां के पानी का स्तर नीचे नहीं जा सकता। चूंकि धाराएं समुद्र से जुड़ी होती हैं और चूंकि समुद्र का पानी चलता है, इसलिए इसकी लवणता कम हो जाती है। इसी प्रकार के जल प्रबंधन कार्यक्रमों को हमारे देश में लागू करने की भी आवश्यकता है। उन्होंने अन्त में बताया कि जल दिवस को सिर्फ एक दिन की तरह नहीं मनाया जाना चाहिए बल्कि इसे हमारे जल संसाधनों का ध्यान रखने के लिए एक संदेश और वचन के तौर पर लिया जाना चाहिए। प्रो॰ एस॰ डब्ल्यू॰ अख्तर॰ जिन्होंने पर्यावरण को बहाल करने के प्राकृतिक तरीके पर हमेशा जोर दिया है। इंटीग्रल कैम्पस 120 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें घने हरे रंग की आवरण पर मुख्य ध्यान दिया गया है। प्रकृति ही पहला पाठशाला होती है जहां छात्र प्रकृति की गोद में एकजुट होकर अध्ययन कर लेता है।

عالمی واٹر ڈے کے مناسبت سے انٹگرل یونیورسٹی میں خاص پروگرام کا انعقاد..

آج عالمی واٹر ڈے منانے کیلئے انٹگرل یونیورسٹی نے ایک خاص پروگرام کا انعقاد کرایا

یونیورسٹی کے سیول انجنئرنگ ڈپارٹمنٹ نے اس پروگرام کے موضوع "پانی کے لئے فطرت" کے سلسلے میں گفتگو کرنے کے لئے خاص مہمانوں، محققین اور سائنسدانوں و حکومتی نمائندوں کو مدعو کیا، اور انیسویں صدی کے پانی کے چیلنجز کا سامنا کرنے کے لئے طریقے تلاش کرنے میں مدد کیلئے گفتگو کی۔

پانی کے مسائل کو حل کرنے کے لئے فطری زندگی جینے کے لئے عالمی واٹر ڈے پوری دنیا میں منایا جاتا ہے تاکہ پانی کی اہمیت پر توجہ دی جا سکے، اور اس کی تحفظ پر روشنی ڈالی جا سکے،

مہمان خصوصی جی پٹنایک آئی اے ایس چنیرمین آف اتر پردیش پانی نگم نے کہا کہ پانی ہمارا اثاثہ ہے انہوں نے کہا کہ زمین پر موجود پانی کا 96.26% فیصد حصہ انسانوں کے لئے قابل استعمال نہیں، انہوں نے اسرائیل کی مثال پیش کی کہ وہاں 70 فیصد زمین قابل کاشت نہیں ہے لیکن 90 فیصد پانی کو دوبارہ استعمال کرنے لائق بنایا جاتا ہے،

سول انجنئرنگ ڈپارٹمنٹ کے ہیڈ سید عقیل احمد نے کہا کہ ہم ماحولیاتی نظام کو نظر انداز کر دیتے ہیں اس سے پانی حاصل کرنے میں دشواری پیدا ہوتی ہے، جو کہ ہمیں زندہ رہنے کے لئے بہت ضروری ہے انہوں نے کہا کہ ماحولیاتی آلودگی کے ساتھ ساتھ پانی کے مسائل پوری دنیا میں سر اٹھا رہے ہیں، سیلاب، سوکھا اور پانی آلودگی کی وجہ سے مٹی اور جھیلیں بدتر ہو گئی ہیں، انہوں نے اس بات پر زور دیا کہ زمین پر زندہ رہنے کے لئے پانی ناگزیر ہے، ڈاکٹر اے پی جے عبدالکلام کا حوالہ دیتے ہوئے کہا کہ پانی کی سطح میں کمی کی وجہ پانی کا وافر مقدار میں غیر نرم دارانہ طریقہ سے بے جا استعمال کرنا ہے،

مزید پانی کی اہمیت پر دیگر مہمانوں نے اپنے خیال کا اظہار کیا،

پروگرام کے صدارت چانسلر، پروفیسر ایس ڈبلو اختر نے کی انہوں نے پانی کے مسائل کو سمجھنے اور اسکو دور کرنے کیلئے سلسلے میں اپنے خیالات کا اظہار کیا انہوں نے پانی کے تحفظ کیلئے مختلف طریقے اور ذرائع کے جانب توجہ مبذول کرانی، جیسے کہ ندیاں اور جھیل کو آپس میں جوڑنا، وغیرہ،

انہوں نے عراق کے شہر بصرہ کا حوالہ دیتے ہوئے کہا کہ یہ قابل تعریف بات ہے کہ وہاں پانی کی سطح میں کمی واقع نہیں ہوتی، اس لئے کہ دھارائیں سمندر سے منسلک ہیں، اور سمندر کا پانی کھبی خشک نہیں ہوتا ہے،

اس طرح کے پانی کے نظام کو ہمارے ملک میں بھی رواج دینا چاہیے، انہوں نے اخیر میں کہا کہ عالمی واٹر ڈے کو صرف ایک دن کے لئے نہیں منایا جانا چاہئے بلکہ ہمیں اسے پانی کے وسائل کو تحفظ فراہم کرنے کے لئے ایک پیغام سمجھنا چاہیے

پروفیسر ایس ڈبلو اختر اول روز سے ہی ماحولیاتی تحفظ کے سلسلے میں کوشاں ہیں اور فطری زندگی پر ہمیشہ زور دیا ہے،

انٹگرل یونیورسٹی 120 ایکڑ سے زیادہ میں پھیلی ہوئی ہے کہمیس میں ہریالی پر خاص توجہ دی گئی ہے..